सफलता के दो दशक और उदयपुर

सन्दर्भ विशेष: इकली साउथ एशिया का २०वां स्थापना दिवस

इकली साउथ एशिया अपनी स्थापना के २० सालों का उत्सव मना रहा है। दक्षिण एशियाई देशों के विभिन्न निकायों के समग्र और स्थायित्व विकास में इकली साउथ एशिया कंधे से कंधे मिलाकर साथ चल रहा है। इस यात्रा में उदयपुर भी साथ बना हुआ है। जो शहर सालों से अपनी झीलों-किलों और महलों के लिए जाना जाता था; आज टिकाऊ, जलवायु-लचीले शहरी विकास के एक दूरदर्शी मॉडल के रूप में उभरा है। इस परिवर्तन में एक प्रमुख सहभागी इकली साउथ एशिया रहा है, जिसने जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी,समावेशी शहरी नियोजन और बच्चों की ज़रूरतों के अनुसार शहरी विकास आदि कार्यों में उदयपुर नगर निगम और स्थानीय हितधारकों के साथ लगातार भागीदारी की है। यह भागीदारी पिछले एक दशक से भी अधिक समय की रही है जो इस बात का सबूत हैं कि दीर्घकालिक, प्रतिबद्ध शहरी भागीदारी बहुत कुछ हासिल कर सकती है।

इकली साउथ एशिया के २० वें स्थापना वर्ष में, आइये, शहर की विकास यात्रा को नए सिरे से समझते हैं।

नेट जीरो क्लाइमेट रिजिलियेंट सिटी एक्शन प्लान (सीआरसीएपी)

उदयपुर ने नेट-जीरो क्लाइमेट रेसिलिएंट सिटी एक्शन प्लान २०७० को लॉन्च करके पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, जिसका लक्ष्य २०७० तक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को खत्म करना और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के खिलाफ शहर के लचीलेपन को मजबूत करना है। यह पहल उदयपुर के लिए महत्वपूर्ण है, जिसने पिछली शताब्दी में औसत वार्षिक तापमान में ०.६ डिग्री सेल्सियस की वृद्धि का अनुभव किया है और अपनी भौगोलिक संरचना के कारण शहरी बाढ़ और चरम मौसम की घटनाओं के बढ़ते जोखिमों का सामना करता है। व्यापक योजना में ऊर्जा, परिवहन, जल प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन और शहरी हरित विस्तार जैसे क्षेत्रों में ४७ रणनीतियां और १३७ कार्य बिंदु शामिल हैं। केपेसिटी'ज पहल के तहत

स्विस एजेंसी फॉर डेवलपमेंट एंड कोऑपरेशन द्वारा समर्थित, यह कार्य योजना न केवल २०७० तक नेट-जीरो उत्सर्जन प्राप्त करने के भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य के अनुरूप है, इस योजना को भारत सरकार के आवास एवं शहरी मामलों के राज्य मंत्री ने राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में ७ अन्य भारतीय शहरों के साथ लॉन्च किया, जो कैपेसिटीज परियोजना का भी हिस्सा थे। उदयपुर नगर निगम ने इस योजना को अपना लिया है और इस पर अमल शुरू कर दिया है।

अपशिष्ट से ऊर्जा: विकेंद्रीकृत बायोमेथेनेशन प्लांट पहल

उदयपुर नगर निगम ने स्विस एजेंसी फॉर डेवलपमेंट एंड कोऑपरेशन द्वारा अनुदानित एवं इकली साउथ एशिया के सहयोग से केपेसिटी'ज परियोजना के अंतर्गत उदयपुर शहर का पहला अपशिष्ट उपचार संयंत्र बायोमेथेनेशन प्लांट के रूप में बनाया है। यह संयंत्र प्रतिदिन लगभग दो टन जैविक अपशिष्ट को संसाधित करती है, जिससे लगभग २०० यूनिट बिजली और २५०-३०० किलोग्राम खाद बनती है। उत्पादित बिजली से फायर स्टेशन के संचालन को शक्ति मिलती है, साथ ही अतिरिक्त ऊर्जा को नगर निगम के सीवरेज पंपिंग स्टेशनों तक पहुँचाने की योजना है। यह पहल टिकाऊ अपशिष्ट प्रबंधन का उदाहरण है, और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी लाने में योगदान देती है। यह पायलट प्रोजेक्ट नगर निगम के लिए एक ऐसी सफल कहानी के रूप में स्थापित हुआ जिसके पश्चात निगम ने २० टन प्रति दिन बायोमेथिनेशन प्लांट का निर्माण स्मार्ट सिटी मिशन के अंतर्गत किया।

ई-मोबिलिटी से शहर की आबोहवा को सुधारने की पहल

शहर को कार्बन मुक्त और भीड़भाड़ रहित बनाने तथा बेहतर शहरी निर्मित वातावरण बनाने के लिए, इकली साउथ एशिया ने शक्ति सस्टेनेबल एनर्जी फाउंडेशन परियोजना के तहत उदयपुर नगर निगम के साथ मिलकर साल २०१६ में "पैदल यात्रीकरण योजना" (पेडेस्ट्रियन प्लान फॉर वाल सिटी उदयपुर) विकसित करने में सहयोग किया है, जिसमें चयनित सड़कों पर पूर्ण पैदल यात्रीकरण के साथ-साथ ई-मोबिलिटी आधारित परिवहन प्रणाली (ई-ऑटो, ई-साइकिल) की शुरूआत शामिल है।

इस योजना के एक भाग के रूप में, पुराने शहर में एक प्रमुख सड़क का चयन किया गया, जो पर्यटन सीजन में हमेशा वाहनों और भीड़ से जूझती है, जिससे न केवल पर्यटकों को बल्कि स्थानीय नागरिकों और उस क्षेत्र से गुजरने वाले अन्य लोगों को भी असुविधा होती है। सिटी पेडेस्ट्रियन प्लान चारदीवारी के भीतर यातायात की स्थिति को बेहतर बनाने का प्रयास करती है, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने, वायु गुणवत्ता में सुधार करने और राष्ट्रीय पर्यावरणीय लक्ष्यों में योगदान देने के लिए समान रणनीतियों और उद्देश्यों का उपयोग करती है।

इसी के साथ केपेसिटी'ज परियोजना के अंतर्गत इकली साउथ एशिया ने पुराने शहर (चार दीवारी के अन्दर) में ग्रीन मोबिलिटी ज़ोन विकसित करने में भी निगम के साथ काफी प्रगति की है। इसमें ई-रिक्शा को बढ़ावा देना, चार्जिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाना तथा पैदल यात्रा को बढ़ावा देने जैसे कार्य शामिल है। ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने तथा शहर की वायु गुणवत्ता में सुधार करने के उद्देश्यों से यह पहल की गयी।

वायु गुणवत्ता निगरानी: पर्यावरणीय स्वास्थ्य में सुधार

केपेसिटी'ज पहल के हिस्से के रूप में, उदयपुर में उच्च क्वालिटी के ०४ वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) सेंसर प्रमुख स्थानों पर लगाए गए हैं। ये सेंसर वायु प्रदूषण के स्तर पर वास्तविक समय के डेटा प्रदान करते हैं, जिससे नगर निगम को सूचित निर्णय लेने और वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए सही कार्य योजना बनाकर एक्शन आदि लागू करने में मदद मिलती है।

अर्बन95 : छोटे बच्चों की सहूलियत वाले शहर का विकास

उदयपुर में अर्बन95 कार्यक्रम इकली साउथ एशिया और वेन लीयर फाउंडेशन की पहल है, जिसका उद्देश्य बच्चे के पहले ०५ सालों को एक आकार देने के लिए शहर में ढांचागत और व्यवहार गत बदलाव लाना और ऐसे अवसर पैदा करना है। नगर निगम के साथ मिलकर २ चरणों में जनवरी २०१९ से जुलाई २०२४ तक इस पहल को उदयपुर में लागू किया। पहले चरण में साल २०१९-२०२० में फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं, शहर नियाजन कार्मिकों और तकनीकी टीम सदस्यों का क्षमतावर्धन; राजकीय विभागों सहित शहर के प्रमुख टाउन प्लानर्स, आर्किटेक्ट्स, सामाजिक एवं सामुदायिक संस्थाओं आदि के साथ आमुखीकरण, शहर को चाइल्ड फ्रेंडली (बाल मित्र) बनाने के लिए विभिन्न नवाचार आदि शामिल रहे। पहले चरण में विद्याभवन ट्रेफिक जंक्शन विकास, मीरा पार्क का पुनर्निर्माण करते हुए उसे छोटे बच्चों के लिए एक रोचक पार्क के रूप में विकसित करने, नाइयों की तलाई चौक को ५ साल तक के बच्चों के सीखने-सिखाने के स्थल के रूप में तैयार करने जैसे कामों को राष्ट्रीय- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर काफी प्रशंसा मिली।

परियोजना के दूसरे चरण में शहर के मोहल्लों, सार्वजनिक स्थानों, बच्चों से जुड़ी सेवाओं- सुविधाओं को बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए सुन्दर, सुगम, सहज और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से कार्य को आगे बढ़ाया गया। मॉडल आंगनवाडी केंद्र और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र विकास, शहर के हितधारकों का क्षमतावर्धन, चाइल्ड प्रायोरिटी ज़ोन अशोक नगर का विकास आदि उल्लेखनीय कार्य रहे; वहीँ शहर के पहले सेंसरी पार्क का विकास, चाइल्ड फ्रेंडली सड़क और चौराहों का विकास, नीमचखेड़ा चाइल्ड प्रायोरिटी ज़ोन विकास आदि के डिटेल्ड तकनीकी परियोजना रिपोर्ट तैयार की गयी। शहर केन्द्रित चाइल्ड सेफ्टी गाइडलाइन तथा प्रारम्भिक बाल्यावस्था विकास फ्रेमवर्क आदि कार्य भी पूर्ण किये गए, जो किसी भी शहर के लिए अपनी तरह की पहली गाइडलाइन रही।

जीरो वेस्ट की दिशा में अग्रणी: शहर में परिवर्तन की शुरुआत

भारतीय शहरों में संधारणीय अपशिष्ट प्रबंधन को मजबूत करने के अपने निरंतर प्रयासों के हिस्से के रूप में, इकली साउथ एशिया ने शहर के दो वार्डों में जीरो वेस्ट पायलट पहल शुरू करने में उदयपुर नगर निगम का समर्थन और सहयोग किया। पायलट का उद्देश्य सामुदायिक स्तर पर संधारणीय ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (SWM) प्रथाओं को बढ़ावा देना और एक ऐसा मॉडल बनाना था, जिसे पूरे शहर में दोहराया जा सके।

इस नवाचार ने शहर की व्यापक जीरो वेस्ट रणनीति के लिए आधार तैयार किया। इसके परिणाम के आधार पर उदयपुर के सभी ७० वार्डों में जीरो वेस्ट पहल की शुरुआत हुई। पायलट का एक प्रमुख नवाचार स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) की महिलाओं की भागीदारी थी, जिसमें लगभग ४५ एसएचजी सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया और ज़मीन पर शून्य अपशिष्ट रणनीतियों को संचालित करने के लिए सशक्त बनाया गया। इन महिलाओं ने डोर-टू-डोर कचरा संग्रह, जागरूकता निर्माण और पृथक्करण मानदंडों के अनुपालन को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस पहल को न केवल एक पर्यावरणीय मील का पत्थर बना दिया, बल्कि महिलाओं के सशक्तिकरण और हरित आजीविका के लिए एक मंच भी बनाया।

शहरी जैव विविधता और मियावाकी वन

इकली साउथ एशिया साउथ एशिया ने केपेसिटी'ज परियोजना के अंतर्गत ही उदयपुर के लिए स्थानीय जैव विविधता रणनीति एक्शन प्लान का निर्माण किया एवं मियावाकी वनों के निर्माण के माध्यम से शहरी जैव विविधता को बढ़ाने में सहभागी रहा है। शहर के हृदय स्थल चेतक सर्किल के पास स्थित मोहता पार्क को मियावाकी वन के रूप में विकसित किया गया। इसी के साथ गुलाब बाग़ और सुखाड़िया सर्किल पर चार अन्य मियावाकी साईट विकसित की। इस पहल के माध्यम से शहर में करीब ५० हजार से अधिक पेड़ों का सघन वन तैयार हुआ। ये घने, देशी वन वायु गुणवत्ता में सुधार करते हैं, शहरी शीतलन प्रदान करते हैं, और सामुदायिक जुड़ाव के लिए हरित स्थान प्रदान करते हैं। यह पहल पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देती है, विभिन्न प्रजातियों के कीड़ो, पक्षियों को आश्रय प्रदान करती हैं और निवासियों को प्रकृति से फिर से जोड़ती है।

उदयपुर किड्स फेस्टिवल: बच्चों का अपना फेस्टिवल और पार्कों का कायाकल्प

साल २०१९ से २०२३ तक शहर में कुल ०३ उदयपुर किड्स फेस्टिवल आयोजित किये गए। नगर निगम के तत्वावधान में इकली साउथ एशिया और वेनलीयर फाउंडेशन द्वारा आयोजित इन फेस्टिवल में कुल १५००० से ज्यादा बच्चों और उनके अभिभावकों ने सहभागिता निभाई। इन फेस्टिवल के माध्यम से ५ साल तक के बच्चों के विभिन्न विकास-आयामों से जुड़े खेल गतिविधियों, पज़ल, जादूगर शो, चित्रकारी, मिट्टी के खेल, नाच-गान आदि के साथ साथ सकारात्मक अभिभावकत्व के ज़रूरी तत्वों पर खेल खेल के माध्यम से चर्चा की गयी। ये उत्सव शहर की एक पहचान बन गए हैं और निगम आगे इन्हें निरंतर आयोजित करने की योजना पर काम कर रही हैं; वहीँ कई निजी समूहों और स्कूलों ने इन फेस्टिवल से प्रेरणा लेकर इन्हें अपने स्तर पर भी आयोजित किया है।

एक बड़ा परिवर्तन और इन किड्स फेस्टिवल के माध्यम से आया, और वो था- शहरी स्तर के पार्कों का बच्चों के अनुरूप विकास। माणिक्यलाल वर्मा पार्क, गुलाब बाग़ का हाथीवाला पार्क और टाउन हॉल स्थित नेहरु पार्क; तीनों स्थान - जहाँ जहाँ किड्स फेस्टिवल आयोजित हुए; उस से पहले इन पार्कों में बच्चों के लिए कई बेहतर नवाचार किये गए, जो आगे चलकर इन पार्कों में बच्चों की उपस्थिति को बढ़ने और निरतंर आने जाने के गवाह बने।

जलवायु परिवर्तन और बच्चों पर प्रभाव का आकलन

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरणीय परियोजना के सहयोग से "लोस एंड डैमेज" के अंतर्गत इकली साउथ एशिया शहर में बदलती जलवायु से बच्चों पर पड़ रहे गैर आर्थिक प्रभावों का आकलन कर रहा है। हाल ही में शुरू किये गए इस अध्ययन के अंतर्गत शहर में बढ़ रही तेज़ गर्मी, जल भराव और तेज़ वर्षा की स्थिति में बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, स्वच्छता, सुरक्षा और सांस्कृतिक हानियों का आकलन किया जा रहा है। इस दौरान विषय केन्द्रित चर्चाओं, फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं और हित धारकों के साक्षात्कार और गृह भ्रमण द्वारा आंकड़े जुटाए गए हैं।

शहर की अन्य उपलब्धियां, जिनमे इकली साउथ एशिया का सहयोग और सहभागिता रही:

- भारत सरकार के नगरपालिका प्रदर्शन सूचकांक (म्युनिसिपल पर्फोर्मेशन इंडेक्स) में पूरे भारत में ७वीं रैंक।
- भारत सरकार के सीएससीएएफ २.० के तहत तीन स्टार रेटिंग।
- भारत सरकार के पेजल (PayJal) सर्वेक्षण के लिए प्रेसेडेंट पुरस्कार के लिए नामांकित।

- सीडीपी द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मान्यता के रूप में "ए-" स्कोर (यह किसी निकाय या संगठन की पर्यावरण पारदर्शिता, कार्रवाई और जीएचजी उत्सर्जन को कम करने में प्रगति को दर्शाता है)
- ग्लोबल कॉन्वेंट ऑफ़ मेयर्स द्वारा शमन और अनुकूलन प्रयासों के लिए अनुपालन बैज।
- साइकिल4चेंज चैलेंज के तहत भारत के शीर्ष २५ साइकिलिंग पायनियर्स शहर, भारत सरकार।
- राष्ट्रीय स्तर पर १८ शहरों के साथ भारत सरकार द्वारा "CITIIS 2.0 फंडिंग" के लिए चुना गया।
- राजस्थान का संभवतः पहला शहर, जिसने शहरी स्तर पर बाल सुरक्षा गाइडलाइन एवं प्रारम्भिक बाल्यावस्था फ्रेमवर्क दस्तावेज जारी किये।

उदयपुर के परिप्रेक्ष्य में देखा जाए तो इकली साउथ एशिया का सबसे महत्वपूर्ण योगदान प्रणालीगत (स्ट्रेटेजिक) बदलाव रहा है। स्थानीय नगरीय शासन की आंतरिक क्षमता को मजबूत करना, सहभागी प्लानिंग टूल का सह-निर्माण करना और स्थायी और सकारात्मक विकास में सहभागी बनते हुए इकली साउथ एशिया ने अपनी ज़मीन और पहचान को मज़बूत किया है. इकली साउथ एशिया के सहयोग से शुरू किए गए कार्यक्रमों ने नगर निगम के नेतृत्व, युवा समूहों, देखभाल करने वालों, शिक्षकों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को बदलाव के सक्रिय एजेंट बनने के लिए प्रेरित किया है।

पिछले एक दशक में उदयपुर की यात्रा यह साबित करती है कि अगर सही रणनीति और मजबूत साझेदारी हो तो टिकाऊ शहरी विकास संभव है। उदयपुर नगर निगम, इकली साउथ एशिया और अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों की साझेदारी ने मिलकर शहर को जलवायु के प्रभावों से निपटने और सबको शामिल करने वाले विकास में एक अग्रणी उदाहरण बना दिया है।

संकलन एवं लेख: ओम प्रकाश, भूपेन्द्र सालोदिया

सभी फोटो: इकली साउथ एशिया